धान-फूलगोभी-लोकी

उन्नत फसल प्रणाली - 4

कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय
मोदीपुरम, मेरठ–250110, उ0 प्र0

जून के दूसरे सप्ताह से अक्टूबर का प्रथम सप्ताह

धान

उन्नत प्रजातियाँ :– साकेत–1, साकेत–4, नेरन्द्र–1, पी.आर.एच.–10 एव् हाईब्रिड–986

रोपाई :– नर्सरी डालने के 22–25 दिन बाद 2–3 पौधे/हिल

लाईन से लाईन की दूरी :– 20 सें.मी.

पौधे से पौधे की दूरी :– 10 सें.मी.

खाद एवं उर्वरक :– नाईटोजन–100, फास्फोरस–60 एवं पोटाश–40 कि.ग्रा./हे0

खरपतवार नियत्रंण

(i) रोपाई के 48 घंटे के अन्दर ब्यूटाक्लोर 1.5 लीटर को 800 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव या बालू में मिला कर प्रयोग करें या आलमिक्स 20 कि.ग्रा./हे0 फसल में डालें।

कीट नियंत्रण :– फुदके, मिलीवग, गन्दी कीट एवं सूडी की रोकथाम के लिये मैलाथियान 50 प्रतिशत 1.5 ली0/हे0 800 ली0 पानी में घोलकर छिडकाव करें।

बीमारियाँ

1. थाईरम, कार्बोन्डाजिम 50 डब्लू.पी. से 2.5 ग्राम/कि.ग्रा. बीज को उपचारित करके बोये।

2. **खैरा रोग**:– जिंक सल्फेट 5 कि.ग्रा. को 20 किलो यूरिया तथा 2.5 कि.ग्रा. बुझा हुआ चुने को 500 ली0 पानी में मिलाकर प्रति हे0 की दर से रोपाई के 15–20 दिन के अन्दर छिडकाव करें।

अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से फरवरी का अन्तिम सप्ताह

फूलगोभी

उन्नत प्रजातियाँ :– पूसा हाईब्रिड–2, पूसा सिथेंटिक, ईम्परूब्ड जापानी, पूसा सावनी, पूसा स्नोबाल एव् स्नोबाल–16

नर्सरी का समय :– जुलाई–अगस्त एक है0 खेत के लिये 250 ग्राम बीज की नर्सरी

पंक्ति से पंक्ति की दूरी :– 45–60 सें.मी.

पौधे से पौधे की दूरी :– 45 सें.मी.

खाद व उर्वरक :– गोबर की सडी खाद 30 टन/हे0, नाईट्रोजन–250, फास्फोरस–120 एव् पोटाश–120–150 कि.ग्रा./हे0

सिचाई :– 10–15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण :– खरपतवारों को एक या दो बार खुरपी से निकालना चाहिए।

कीट एवं व्याधियाँ :– डाईथेन एम–45 के साथ सेविन (2 ग्राम प्रति लीटर) पानी की दर से छिडकाव करें। 10 दिन के अन्तराल पर पुनः छिड़काव किया जा सकता है।

मार्च के प्रथम सप्ताह से जून का अन्तिम सप्ताह

लोकी

उन्नत प्रजातियाँ :– बायो गौरव, पूसा सन्देश, पूसा नवीन, पूसा समर, गौरी एव् नरगिस

बीज दर :– 1.5 से 2.0 कि.ग्रा./हे0

लाईन से लाईन की दूरी :– 150 से.मी.

पौधे से पौधे की दूरी :– 100 से.मी.

खाद एवं उर्वरक :– गोबर की खाद 25–30 टन/हे0, नाईट्रोजन–150, फास्फोरस–80 एव् पोटाश–60 कि.ग्रा./हे0

सिंचाई :– 5–6 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण :– आवश्यकतानुसार एक या दो बार निराई करे।

कीट एवं व्याधियाँ :–

1. तेला एवं फफूद की रोकथाम हेतु डाइमेथियोट 2 मिली तथा ड्राईथेन एम–45, 3 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव करें।

2. रस चूसने वाले कीटों एवं चूर्णी रोग की रोकथाम हेतु मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली, केराथिन 2 मिली प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव करें।

क्र0 सं0	फसल	औसतन लागत (रुपये)	औसतन कुल आमंदनी (रुपये)	औसतन शुद्व लाभ (रुपये)
1.	धान	24000	60400	36400
2.	फूलगोभी	50500	91250	60750
3.	लोकी	13500	66000	52500
	कुल	**88000**	**217650**	**149650**

औसतन आर्थिक लाभ प्रति दिन/हे0 :– 410 रूपये

मुख्य बिन्दू :–

1. फसल को समय से बोयें।
2. बीजो को उपचारित करके बोयें।
3. उन्नत किस्म का बीज बोयें।
4. अन्य वैज्ञानिक तकनिकी अपनायें।
5. समन्वित पोषण एव् कीट प्रवन्धन अपनायें।
6. समय पर फसल की कटाई करें।

विवरण

एम.पी. सिंह
एव्
पी.पी. मिश्रा

प्रकाशक

ड़ा. बी. गंगवार,
परियोजना निदेशक
कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना निदेशालय
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (यू.पी.), भारत
दूरभाष : 0121-288 8571, 295 6309; Fax : 0121-288 8546
ई–मेल : director@pdfsr.ernet.in, directorpdfsr@yahoo.com

मुद्रक: युगान्तर प्रकाशन (प्रा.) लि., मायापुरी, नई दिल्ली–110064